'सफल प्रबंधन को हमेशा सीखते रहना चाहिए'

आईआईएम में वार्षिक विश्लेषिकी संगोष्ठी - सिंक्रोनोसश

■ नवभारत रिपोर्टर । रायपुर.

आईआईएम रायपुर नें वार्षिक विश्लेषिकी संगोष्ठी : सिंक्रोनोसश का आयोजन किया. विश्लेषिकी के वास्तविक लाभ प्राप्त करने के लिए कई कंपनियां प्रतिभाए व्यावसायिकप्रक्रियाओं और संगठनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए संघर्ष कर रही हैं. व्यवधान और अराजकता के इस माहौल के बीच ऐसे कुछ लीडर हैं जो नब्ज को समझने में कामयाब रहे हैं और इन परिवर्तनों का लाभ उठाने में असाधारण सफलता प्राप्त की है. इनमें से कुछ चतुर व्यापारिक लीडर्स को एनासिस आईआईएम रायपुर के एनालिटिक्स एंड सिस्टम्स क्लब ने वार्षिक सफलता संगोष्ठी : सिंक्रोनोसश में अपनी सफलता और जिस तरह से वे अभी भी अंतहीन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, की कहानियों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया था.

पैनल में निदेशक एनालिटिक्स कंसल्टिंग, एनालिटिक्स, हेड एनालिटिक्स, लेक्सिसनेक्सिस रिस्क सॉल्यूशन मुकेश सहारन, सहायक प्रोफेसर, कार्तिक पटेल, कंप्यूटर साइंस विभाग, मिसौरी विश्वविद्यालय, यूएस, डॉ अंकित चौधरी, शामिल थे. कार्यक्रम के मध्यस्थ, डॉ. अंकित चौधरी ने विषय के परिचय और सत्र में शामिल की जाने वाली जटिलताओं का जिक्र करते हुए चर्चा की शुरूआत की. कार्तिक पटेल ने छात्रों को डेटा को व्यवस्थित करने के लिए उपलब्ध विभिन्न प्लेटफॉर्म की जानकारी दी. मुकेश सहारन ने समझाया कि किसी भी सफल प्रबंधक को हमेशा सीखते रहना चाहिए और प्रबंधकों को सूचना प्रणाली के साथ व्यापार वर्क-फ्लो के एकीकरण की बेहतर समझ के लिए कोड सीखना चाहिए. उनके अनुसारए डेटा विश्लेषण के लिए एक मॉडल लागू करने के लिए आंकड़ों और सैद्धांतिक ज्ञान की पूर्व समझ आवश्यक है. उन्होंने यह भी बताया कि एल्गोरिदम के बजाए शॉर्टटर्म मैनुअल एनालिटिक्स अधिक उपयोगी है और अधिकांश मॉडल लीनिअर रिग्रेशन जैसे पारंपरिक तरीकों के बेहतर संस्करण हैं. उन्होंने उन फायदों के बारे में जाना जो वे इन उपकरणों का उपयोग करके और व्यापारिक दुनिया में प्रचलित असंगठित व्यावसायिक डेटा से अंतर्दृष्टि उत्पन्न कर प्राप्त कर सकते हैं. छात्रों ने पैनल से बिग डेटा और डेटा एनालिटिक्स के बारे में उत्साहपूर्वक सवाल किए.

Navbharat, 10th Dec 2018, P.7(Rajdhani)